1st Term Worksheet

Subject – Hindi

Class – VI

Name : **Sec. :**

[Hindi Language]

विलोम शब्द

अग्र	....	अस्त	....
अंदर	....	अंधकार	....
अगला	....	अधम	....
अनाथ	....	आग्रह	....
अमृत	....	अच्छा	....
आकाश	....	आलोक	....
आहार	....	आरंभ	....
आर्द्र	....	इष्ट	....
अदृश्य	....	अधीन	....
अवर	....	अवनति	....
अचल	....	अर्पण	....

पर्यायवाची शब्द

अमृत ....

अश्व ....

असुर ....

आँख ....

आकाश ....

आरंभ ....

अरण्य ....

आम ....

इंद्र ....

ईश्वर ....

उत्सुक ....

उल्लास ....

उजाला ....

कपड़ा ....

कमल ....

कामदेव ....

गंगा ....

गणेश ....

जल ....

दिन ....

तालाब ....

दास ....

द्रौपदी ....

दैत्य ....

दुर्गा ....

धनुष ....

धूल ....

नदी ....

नारी ....

नरेश ....

<u>पत्र</u>

रुपये मँगवाने के लिए पिता को पत्र

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

निबन्ध

हमारे राष्ट्रीय पर्व, होली रंगो का त्योहार

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

पाठ – 3
(शब्द विचार)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **(पृष्ठ सं0 17)**

क. शब्द किसे कहते हैं? उदाहरण देकर स्पष्ट करो।

उ0 ....

....

....

....

ख. शब्दों के कितने भेद होते हैं? उनके नाम लिखो।

उ0 ....

....

....

....

ग. उत्पत्ति के आधार पर शब्द के कितने भेद होते हैं?

उ0 ....

....

....

....

घ. तत्सम और तद्भव में क्या अंतर है? उदाहरण देकर स्पष्ट करो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

2. नीचे दिए गए कथनों में सही के सामने (√) तथा गलत के सामने (×) का चिह्न लगाओ–(पृष्ठ सं0 17)

क. विकारी शब्द दो प्रकार के होते हैं। ☐

ख. तत्सम शब्द अरबी भाषा से लिए गए हैं। ☐

ग. तद्भव शब्दों का रूप परिवर्तित हो गया है। ☐

घ. क्रिया–विशेषण अविकारी शब्द है। ☐

ङ. वर्णों के सार्थक मेल को वाक्य कहते हैं। ☐

3. निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखो– **(पृष्ठ सं0 18)**

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
दाँत	....	कौआ	....
गाँव	....	दही	....
केला	....	बाघ	....
ताँबा	....	ससुर	....
भालू	....	सावन	....

4. हिंदी में प्रयोग किए जाने वाले अँगरेज़ी और फ़ारसी भाषाओं के पाँच–पाँच शब्द लिखो– **(पृष्ठ सं0 18)**

अँगरेज़ी भाषा	फ़ारसी भाषा
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

5. दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प पर सही चिह्न (√) लगाइए– **(पृष्ठ सं0 18)**

क. 'तत्सम' शब्द है–

1. मछली ☐ 2. निद्रा ☐ 3. आम ☐

ख. 'धरती' शब्द है–

1. तत्सम ☐ 2. तद्भव ☐ 3. देशज ☐

ग. भारतीय भाषा या बोली से उत्पन्न शब्द को कहते हैं–

1. देशज ☐ 2. विदेशज ☐ 3. रूढ़ ☐

पाठ – 4
(संज्ञा)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **(पृष्ठ सं0 22)**

क. संज्ञा किसे कहते हैं? उदाहरण देकर स्पष्ट करो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

ख. संज्ञा के कितने भेद होते हैं? किसी एक का वर्णन करो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

ग. भाववाचक संज्ञा किसे कहते हैं? उदाहरण भी दो।

उ0 ....

....

....

....

घ. द्रव्यवाचक संज्ञा और समुदायवाचक संज्ञा में क्या अंतर है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

2. निम्नलिखित वाक्यों में संज्ञा शब्दों को रेखाकिंत करो और उनके भेद बताओ— (पृष्ठ सं0 22)

क. कोलकाता एक बड़ा शहर है। ....

ख. कुत्ते भौंक रहे हैं। ....

ग. अध्यापक पढ़ा रहे हैं। ....

घ. खीरे में कड़वाहट है। ....

ङ. कक्षा में विद्‌यार्थी पढ़ रहे हैं। ....

3. निम्नलिखित वाक्यों में संज्ञा शब्दों को रेखाकिंत करो और उनके भेद बताओ— (पृष्ठ सं0 23)

तद्‌भव	**तत्सम**	**तद्‌भव**	**तत्सम**
दाँत	....	कौआ	....
गाँव	....	दही	....
केला	....	बाघ	....
ताँबा	....	ससुर	....
भालू	....	सावन	....

4. निम्नलिखित शब्दों के सही भाववाचक संज्ञा पर (√) का निशान लगाइए— (पृष्ठ सं0 23)

क. लूटना—

1. लोटना ☐ 2. लूट ☐ 3. लुटाई ☐

ख. माता—

1. ममत्व ☐ 2. मातृत्व ☐ 3. ममता ☐

ग. कवि—

1. कविता ☐ 2. कवयित्री ☐ 3. कवित्व ☐

घ. बूढ़ा—

1. वृद्‌ध ☐ 2. बुढ़ापा ☐ 3. बूढ़ापन ☐

ङ. अपना—

1. पराया ☐ 2. अपनत्व ☐ 3. अपनाना ☐

4. दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प पर सही चिह्न (√) लगाइए— (पृष्ठ सं0 23)

क. 'लखनऊ' शब्द संज्ञा है—

1. व्यक्तिवाचक ☐ 2. जातिवाचक ☐ 3. भाववाचक ☐

ख. 'धीर' शब्द से भाववाचक संज्ञा बनाने पर रूप होगा–

1. धीरता ☐ 2. धीरत्व ☐ 3. धैर्य ☐

ग. जिस संज्ञा शब्द से समूह का बोध होता है, उसे कहते हैं–

1. भाववाचक ☐ 2. समुदायवाचक ☐ 3. जातिवाचक ☐

अनेकार्थक शब्द

अज ....

अंतर ....

अलि ....

आतुर ....

आराम ....

कंज ....

कनक ....

कर ....

कर्ण ....

काल ....

केतु ....

खल ....

गति ....

गौतमी ....

चक्र ....

वाक्यांश के लिए एक शब्द

जो पढ़ा न हो ....

जो धर्म को न माने ....

जो दिखाई न दे ....

जो थोड़ा जानता हो ....

जो पीने योग्य न हो ....

अभिनय करने वाली ....

जो वध करने योग्य न हो ....

जिसका अंत न हो ....

जिसको कोई जीत न सके ....

जो कभी बूढ़ा न हो ....

जिसका वर्णन न किया जा सके ....

अभिनय करने योग्य ....

जिसकी उपमा न हो ....

जो परिचित न हो ....

जिसका कोई पार न हो ....

ईश्वर में विश्वास रखने वाला ....

अपने ऊपर निर्भर रहने वाला ....

इतिहास को जानने वाला ....

जिसने ऋण चुका दिया हो ....

जो भूमि उपजाऊ हो ....

जिसका मन एक विषय पर लगा रहता हो ....

जो काम करने वाला हो ....

जो किए गए उपकार को मानता हो ....

जो किए गए उपकार को न मानता हो ....

उच्च कुल में उत्पन्न हुआ ....

जो काम से जी चुराए ....

जिसके चार मुख हों ....

जिसकी चार भुजाएँ हों ....

जिसने इंद्रियों को जीत लिया हो ....

जल में रहने वाला ....

पत्र

प्रधानाचार्य को बीमारी के लिए प्रार्थना–पत्र

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

कहानी

जैसे को तैसा

....

....

....

....

....

....

....

....

....

पाठ – 5
(लिंग और वचन)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **(पृष्ठ सं0 30)**

क. लिंग की परिभाषा उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

....

....

....

ख. लिंग के कितने भेद होते हैं? सभी की परिभाषा उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

....

....

....

ग. वचन किसे कहते हैं? उसके कितने भेद होते है? लिखो।

उ0 ....

....

....

....

घ. एकवचन और बहुवचन में क्या अंतर है? समझाकर लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो– **(पृष्ठ सं0 30)**

क. श्री शिव कुमार एक अच्छे .... हैं। (लेखक / लेखिका)

ख. जिससे एक या अनेक का बोध होता है, उसे .... कहते हैं। (वचन / लिंग)

ग. माला का बहुवचन ....है। (माले / मालाएँ)

घ. भाषाओं के नाम .... होते हैं। (पुल्लिंग / स्त्रीलिंग)

ङ. रेलगाड़ी जा .... है। (रहा / रही)

3. निम्नलिखित वाक्यों के रेखाकिंत शब्दों के लिंग बदलकर वाक्यों को पुनः लिखो– (पृष्ठ सं0 30)

क. राजा ब्राह्मण को दान देता है।

....

ख. अध्यापक पढ़ा रहे है।

....

ग. माली फूल तोड़ रहा है।

....

घ. गायक गीत गाता है।

....

ङ. मालिक नौकर को पीटता है।

....

4. निम्नलिखित शब्दों से सही विकल्पों पर ¼ √ ½ का चिह्न लगाओ– (पृष्ठ सं0 30)

क. लता – लताओं / लताएँ

ख. कपड़े – कपड़ों / कपड़ा

ग. दीवार – दीवारें / दीवारों

घ. छात्राएँ – छात्रा / छात्राओं

ङ. बछड़ा – बछड़े / बछड़ों

च. कथा – कथाओं / कथाएँ

5. दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प पर सही चिह्न (√) लगाइए– (पृष्ठ सं0 31)

क. वृक्षों के नाम प्रायः होते हैं–

1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग

ख. 'इंद्र' का स्त्रीलिंग रूप होगा–

1. इंद्रिका 2. इंद्रणी

ग. 'वह' का बहुवचन होगा–

1. वह लोग 2. वे

घ. 'ये' का एकवचन होगा–

1. वह 2. यह

ङ. कछुआ, खटमल, तोता आदि सदैव होते हैं–

1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग

उच्चारण की असावधानी से अर्थ में भिन्नता

1.	अंस	....	2.	अर्ध	....
	अंश	....		अर्ध्य	....
3.	अज	....	4.	अवध्य	....
	अजा	....		अवध	....
5.	अमल	....	6.	इति	....
	अम्ल	....		ईति	....
7	उर	....	8	कृपण	....
	उरु	....		कृपाण	....
9.	कोटि	....	10.	चकोर	....
	कटि	....		चौकोर	....
11.	जठर	....	12.	तुल्य	....
	जरठ	....		तूल	....
13.	अदृश्य	....	14	अनु	....
	अदृष्ट	....		अणु	....
15.	अभय	....	16.	अवश	....
	उभय	....		अवश्य	....
17.	अचार	....	18.	उदर	....
	आचार	....		उधर	....
19.	काल	....	20.	कृति	....
	कल	....		कृती	....

शब्दों के सही रूप

अनंद	....	प्रगट	....
पत्नीया	....	सूचि	....
जन्ता	....	व्यंग	....
आश्य	....	पेत्रिक	....
कवित्री	....	न्यायशीश	....
कृश्ण	....	औषधी	....
रिषि	....	पूज्यनीय	....
कृतघन	....	प्रीक्षा	....
र्निरोग	....	स्मर्ण	....
श्रंगार	....	मृत्यू	....

अपठित गद्यांश

1. कंप्यूटर तेजी से बच्चों का खिलौना बनता जा रहा है जो खेलने अथवा कठिन पाठ पढ़ने के लिए प्रयोग किया जा सकता है। कंप्यूटर कंपनियों के आकर्षक विज्ञापनों से ऐसा प्रतीत होता है कि अगर आप अपने बच्चो को कंप्यूटर नहीं खरीदते तो आप अभिभावक के रूप में अपनी ज़िम्मेदारी नहीं निभा रहे हैं। इन विज्ञापनों के असर से अधिकांश अभिभावक बच्चों को कंप्यूटर खरीद देते हैं और अपने बच्चे को कंप्यूटर के सामने बैठा देखकर उन्हें अकथनीय गर्व होता है। उन्हें विश्वास होता है कि बच्चे की शिक्षा और विकास के लिए उन्होंने बड़ा कदम

उठाया है। आधुनिक जीवन शैली के दबावों ने अभिभावकों के समक्ष अपनी संतानों को व्यक्तिगत रूप से पढ़ाने या मनोरंजन का समय नहीं छोड़ा है। सॉफ़्टवेयर से युक्त कंप्यूटर बच्चों को रचनात्मक कार्यों में लगाए रहता है। उस समय और अधिक, जब वे अकेले हों और उनके साथ खेलने वाला कोई भी न हो।

नीचे दिए गए सही विकल्पों के सामने सही (√) का चिह्न लगाओ– **(पृष्ठ सं0 102–103)**

क. कंप्यूटर बच्चों में लोकप्रिय हो रहा है क्योंकि –

1. इसे खरीदना आसान है।
2. यह मनोरंजन के साथ–साथ पढ़ने के लिए भी प्रयोग किया जा सकता है।
3. उनके लिए यह अच्छा खिलौना है।
4. कंप्यूटर अकेलेपन का साथी है।

ख. 'जिम्मेदारी' शब्द में कौन–सा प्रत्यय लगा है–

1. दारी 2. ई
3. आरी 4. जिम्मे

ग. गर्व का समानार्थी होगा–

1. गर्वीला 2. अहंकार
3. अभिमानी 4. सर्व

घ. आधुनिक जीवन शैली के दवाब ने–

1. अभिभावकों के लिए कंप्यूटर खरीदना अनिवार्य कर दिया है।
2. अभिभावको के सामने बच्चों को व्यक्तिगत रूप से पढ़ाने या मनोरंजन का समय नहीं छोड़ा।
3. अभिभावकों को कंप्यूटर खरीदने के लिउ मज़दूर कर दिया है।
4. बच्चों को कंप्यूटर से खेलना सिखा दिया है।

ङ. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक होगा–

1. कंप्यूटर 2. आधुनिक समाज और कंप्यूटर
3. बच्चे और कंप्यूटर 4. कंप्यूटर के लाभ

अपठित गद्यांश

2. एक सेठ थे, रमणीकचंद्र। वे अफ़ीम खाते थे और उन्होंने अपने नौकर को भी यह लत लगा दी थी। एक बार व्यापार के संबंध में दोनों शहर के लिए चल पड़े। रास्ते में एक स्थान पर दोनों ने खाना खाया। अफ़ीम के नशे में याद नहीं रहा, घोड़ा वहीं छोड़कर चलते बने। शहर पहुँचे तो नशा कम हुआ। एक स्थान पर बैठे तो पता चला के घोड़ा रास्ते में ही छूट गया है। फिर दोनों घोड़े की तलाश में लौटे, पर इस बार अपनी–अपनी पोटली–पोटली कही भूल गए। उसी में उनके सारे रुपये थे। वापस जाकर देखा तो वहाँ घोड़ा न पाया, तब पोटली की याद आई। दोनों रोने लगे। एक ग्रामीण स्त्री बोली– ''तुम्हारी ही नहीं, हर नशेबाज़ की यही हालत होती है।'' नशे में स्मृति का ह्रास होता है और स्मृति का नाश बहुत से अनर्थों का कारण हो सकता है।

नीचे दिए गए सही विकल्पों के सामने सही (√) का चिह्न लगाओ– **(पृष्ठ सं0 103–104)**

क. सेठ और उनके नौकर को बुरी लत थी –

1. चाय पीने की 2. अफ़ीम खाने की
3. पान खाने की 4. जुआ खेलने की

ख. रास्ते में उनका नुकसान हुआ कि–

1. उनका घोड़ा रास्ते में छूट गया।
2. दोनों रास्ता भूल गए।
3. वे अपना घोड़ा और रुपये की पोटली खो बैठे।
4. पोटली छोड़ आए।

ग. नशे में क्या हानि होती है?–

1. मनुष्य रास्ता भूल जाता है।

2. मनुष्य की याददाश्त खो जाती है।

3. मनुष्य की स्मृति का ह्रास होता है जो बहुत से अनर्थों का कारण बनती है।

4. मनुष्य बीमार पड़ जाता है।

घ. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक होगा–

1. नशा
3. नशा – एक अनर्थ
3. अफ़ीम
4. बुरी लत

मुहावरे

1. अंक में समेटना – ....

....

....

2. अंग बन जाना – ....

....

....

3. अंग ढीला होना – ....

....

....

4. अंगारों पर लौटना – ....

....

....

5. अँधेरे घर का उजाला – ....

....

....

6. अठखेलियाँ सूझना – ....

....

....

7. अक्ल के घोड़े दौड़ना – ....

....

....

8. अक्ल चरने जाना – ....

....

....

9. अंधाधुध लुटाना – ....

....

....

10. अवसर ताकना – ....

....

....

लोकोक्तियाँ

1. अंधे के हाथ बटेर लगना– ....

....

....

2. अंधे के आगे रोए अपने नैन खोए– ....

....

....

3. अधजल गगरी छलकत जाए – ....

....

....

4. अरहर की टट्टी गुजराती ताला – ....

....

....

5. आसमान से गिरा खजूर में अटका – ....

....

....

6. ईश्वर की माया कहीं धूप कहीं छाया – ....

....

....

7. इस हाथ ले उस हाथ दे– ....

....

....

8. उँगली पकड़कर पहुँचा पकड़ना – ....

....

....

पाठ – 1
(मेरा प्रतिपल सुंदर हो)

1. **शब्दार्थ –:** **(पृष्ठ सं0 10)**

शब्द		अर्थ	शब्द		अर्थ
प्रतिपल	–	....	लघु	–	....
शुचितर	–	....	अस्थिर	–	....
मधुऋतु	–	....	मुकुल	–	....
मानस	–	....	प्रमुदित	–	....
निर्भय	–	....	निःसंशय	–	....
तन्मय	–	....			

विशय–वस्तु का ज्ञान

1. **प्रश्नों के उत्तर लिखिए –** **(पृष्ठ सं016)**

नीचे दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

''मेरा प्रतिपल निर्भय हो,
निःसंशय मंगलमय हो,
यह नव–नव पल का जीवन
प्रतिपल तन्मय, तन्मय हो!''

क. उपर्युक्त पद्यांश के रचयिता कौन हैं?

उ0 ....

....

ख. कवि क्या मंगलमय होने की प्रार्थना कर रहा है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

ग. 'निर्भय' में कौन–सा उपसर्ग है?

उ0 ....

....

घ. 'जीवन' के दो भिन्न–भिन्न अर्थ बताइए।

उ0 ....

....

....

....

....

<u>प्रत्यास्मरण</u>

1. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दो–दो पंक्तियों में लिखिए– **(पृष्ठ सं010)**

क. कवि ईश्वर से क्या प्रार्थना करता है?

उ0 ....

....

....

....

....

ख. कवि मन की कली को कैसा बनाना चाहता है?

उ0 ....

....

....

....

....

ग. कवि जीवन रूपी बूँद को किसके समान बनाना चाहता है?

उ0 ....

....

....

....

....

घ. आशय स्पष्ट कीजिए–

''यह एक मुकुल मानस का

प्रमुदित, मोदित, मधुमय हो।''

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

2. कविता की पंक्तियाँ पूरी करिए– **(पृष्ठ सं010)**

मेरा प्रतिपल ....,

.... हो

यह पल–पल ....

.... शुचितर हो।

पाठ – 3
(फूल का मूल्य)

1. शब्दार्थ –: **(पृष्ठ सं0 21)**

शब्द		**अर्थ**	**शब्द**		**अर्थ**
प्रचंड	–	....	विषण्ण	–	....
विधियाँ	–	....	स्मिति	–	....
प्रमुदित	–	....	एकाकी	–	....
अभिलाषी	–	....	विलीन	–	....
तुषारकण	–	....	निर्निमेष	–	....
रमणियों	–	....	रज	–	....
वृंद	–	....	कणिका	–	....

विशय–वस्तु का ज्ञान

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **(पृष्ठ सं022)**

नीचे दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

''सुदास स्तब्ध होकर खड़ा था। उसके मुहँ से एक शब्द भी नहीं निकला। वह तो निहार रहा था, निर्निमेष भाव से उस साधु की ओर।''

क. सुदास स्तब्ध क्यों खड़ा था?

उ0 ....

....

....

....

ख. वह कहाँ से आया था?

उ0 ....

....

ग. वह साधु कौन था?

उ0 ....

....

....

घ. वह वहाँ क्या करने आया था?

उ0 ....

....

....

....

....

प्रत्यास्मरण

1. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **(पृष्ठ सं022)**

क. कमल–पुष्प को देखकर सुदास का मन क्यों नाच उठा?

उ0 ....

....

....

....

....

ख. कमलदल लेने की होड़ में राजा को बुरा न लगे, भक्तजन ने उनसे क्या कहा?

उ0 ....

....

....

....

....

ग. भगवान बुद्ध के दर्शन करने कौन–कौन जा रहे थे?

उ0 ....

....

....

....

....

घ. सुदास ने पुष्प बेचने का विचार क्यों त्याग दिया?

उ0 ....

....

....

....

....

....

ङ. सुदास ने भगवान बुद्ध से पुष्प का मूल्य न माँगकर चरण–रज की एक कणिका क्यों माँगी?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

2. कारण बताइए– **(पृष्ठ सं022)**

क. कुंज–वीथियों और वन–उपवनों में समस्त तरुगण शिशुविहीन माता–पिता की तरह उदासीन से खड़े थे।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

ख. सुदास के शकुन सफल हो गए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

पाठ – 7
(नीलकंठ)

1. शब्दार्थ –: **(पृष्ठ सं0 43)**

शब्द		**अर्थ**	**शब्द**		**अर्थ**
विचित्र	–	....	आरंभ	–	....
अनुसरण	–	....	दृष्टि	–	....
निरीक्षण	–	....	आश्वस्त	–	....
नवांगतुक	–	....	विस्मय	–	....
कुतूहल	–	....	ग्रीवा	–	....
केका	–	....	कोलाहल	–	....
कार्तिकेय	–	....	क्रूर	–	....
विषधर	–	....	मंद्र	–	....
निर्दयी	–	....	कुब्जा	–	....
निश्चेष्ट	–	....	चंचु–प्रहार	–	....

विशय–वस्तु का ज्ञान

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **(पृष्ठ सं044)**

''बड़े मियाँ चिड़ियावाले की दुकान के निकट पँहुचते ही उन्होंने सड़क पर आकर ड्राइवर को रुकने का संकेत दिया। मेरे प्रश्न करने के पहले ही उन्होंने कहना आरंभ किया, सलाम गुरु जी! पिछली बार आने पर आपने मोर के बच्चों के लिए पूछा था।''

क. उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और रचयिता का नाम बताइए।

उ0 ....

....

....

ख. बड़े मियाँ कौन थे?

उ0 ....

....

....

....

ग. 'मेरे' शब्द किसके लिए आया है?

उ0 ....

....

घ. मोर के पंजों से क्या बनता है?

उ0 ....

....

....

<u>प्रत्यास्मरण</u>

1. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **(पृष्ठ सं044)**

क. मोर और मोरनी के क्या नाम थे? वे किस आधार पर रखे गए?

उ0 ....

....

....

....

....

ख. जाली के बड़े घर में पहुँचने पर मोर के बच्चों का स्वागत किस प्रकार हुआ?

उ0 ....

....

....

....

....

....

ग. मोर के किन क्रिया–कलापों से पता चलता है कि वह चिड़िया घर के निवासी जीव–जन्तुओं का सेनापति और संरक्षक था?

उ0 ....

....

....

....

....

....

घ. मोर के अटूट स्नेह का प्रमाण किस घटना से मिला?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

ङ. विदेशी महिलाओं ने मोर को क्या उपाधि दी? और क्यों?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

2. किसने किससे कहा– **(पृष्ठ सं044)**

क. ''सलाम गुरु जी! पिछली बार आपने मोर के बच्चे के लिए पूछा था।''

....

ख. ''मोर के बच्चे हैं कहाँ?''

....

ग. ''मोर के क्या सुर्खाब के पर लगे हैं।''

....

घ. ''......... पर आपसे भी यह अधमरी मोरनी ले जाने को कैसे कहूँ।''

....